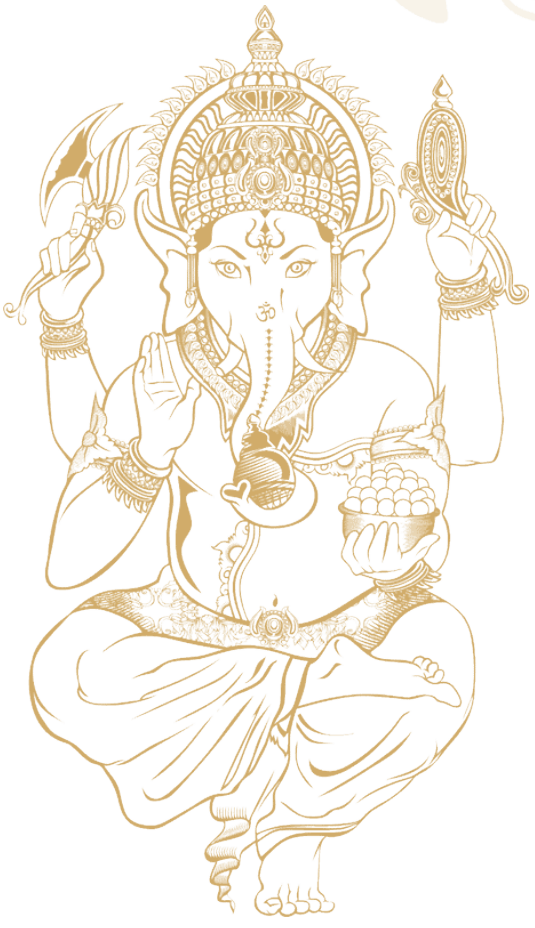

Mr.prtik jain

Ms.Apoorva jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119446105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/09/1998	जन्म तिथि	30/03/2000
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:54:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 12:02:37	जन्म समय(घटी)	04:59:02 घटी
India	देश	India
Lalitpur	स्थान	Gwalior
24:42:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:24:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:57	सूर्योदय	06:10:50
18:13:08	सूर्यास्त	18:33:14
23:50:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:22

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 1मा 14दि		08:32:25	वृश्चि	लग्न	मेष	23:09:45	सूर्य 0वर्ष 7मा 1दि	
गुरु		05:10:32	कन्या	सूर्य	मीन	15:50:45	राहु	
05/11/2024		21:50:15	कन्या	चंद्र	मक	08:41:32	31/10/2017	
05/11/2040		26:43:04	कर्क	मंगल	मेष	11:18:30	01/11/2035	
गुरु	24/12/2026	02:07:21	कन्या	बुध	कुंभ	18:05:58	राहु	13/07/2020
शनि	06/07/2029	28:24:33	कुंभ व	गुरु	मेष	14:53:40	गुरु	07/12/2022
बुध	12/10/2031	25:16:37	सिंह	शुक्र	कुंभ	26:40:53	शनि	13/10/2025
केतु	17/09/2032	08:37:19	मेष व	शनि	मेष	21:25:46	बुध	01/05/2028
शुक्र	19/05/2035	07:27:51	सिंह व	राहु व	कर्क	07:24:14	केतु	20/05/2029
सूर्य	06/03/2036	07:27:51	कुंभ व	केतु व	मक	07:24:14	शुक्र	19/05/2032
चन्द्र	06/07/2037	15:15:40	मक व	हर्ष	मक	25:43:26	सूर्य	13/04/2033
मंगल	12/06/2038	05:38:58	मक व	नेप	मक	12:17:51	चन्द्र	13/10/2034
राहु	05/11/2040	11:50:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:59:10	मंगल	01/11/2035

लग्न-चलित

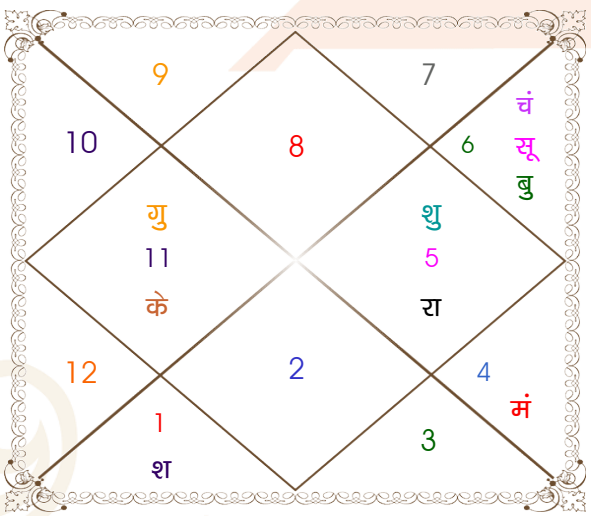

लग्न-चलित

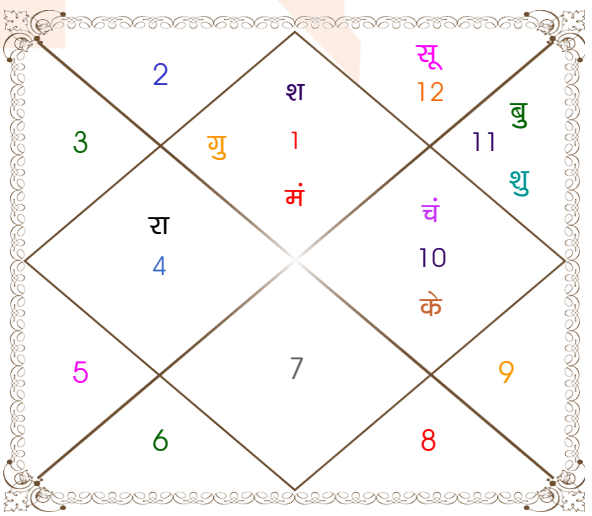

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.prtik jain का वर्ग श्वान है तथा Ms.Apoorva jain का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.prtik jain और Ms.Apoorva jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.prtik jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.Apoorva jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.prtik jain कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.prtik jain तथा Ms.Apoorva jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।